सत्यमेव जयते

सप्तदश

बिहार विधान सभा

चतुर्थ सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

शुक्रवार, तिथि 12 अग्रहायण, 1943 (श०)
03 दिसम्बर, 2021 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या 13

(1)	स्वास्थ्य विभाग	07
(2)	ऊर्जा विभाग	03
(3)	योजना एवं विकास विभाग	01
(4)	आपदा प्रबंधन विभाग	02
	कुल योग --	13

नियुक्ति करना

19. श्री अरूण शंकर प्रसाद (क्षेत्र संख्या-33 खजौली)--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 3 अगस्त, 2021 को प्रकाशित शीर्षक "शिक्षकों की कमी से तीन आयुर्वेद कॉलेज अस्पताल बंद" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के सरकारी आयुर्वेद कॉलेज अस्पताल में शिक्षकों की कमी के कारण पाँच में से तीन बक्सर, दरभंगा एवं भागलपुर की मान्यता समाप्त हो चुकी है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त तीनों कॉलेज बंद हो जाने के कारण आयुर्वेद में रूचि रखने वाले छात्रों की पढ़ाई एवं शोध का कार्य बाधित हो गया है तथा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति पर विपरित असर पर रहा है, जिससे आम आदमी आयुर्वेद चिकित्सा का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त तीनों आयुर्वेद कॉलेज अस्पतालों में शिक्षकों की नियुक्ति कर पढ़ाई चालू करवाना चाहती हैं, नहीं, तो क्यों ?

नियुक्ति करना

20. श्री अरूण शंकर प्रसाद (क्षेत्र संख्या-33 खजौली)--स्थानीय दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 3 अगस्त, 2021 को प्रकाशित शीर्षक "शिक्षकों की कमी से तीन आयुर्वेद कॉलेज अस्पताल बंद" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पटना स्थित राजकीय आयुर्वेद कॉलेज अस्पताल की स्थापना आजादी के पूर्व 1926 ई0 तथा बेगूसराय स्थित सरकारी अयोध्या शिव कुमारी आयुर्वेद महाविद्यालय की स्थापना 1949 ई0 में हुई थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि बेगूसराय स्थित सरकारी अयोध्या शिव कुमारी आयुर्वेद महाविद्यालय में कुल शिक्षकों के 78 पदों में से 47 रिक्त है तथा पटना स्थित राजकीय आयुर्वेद कॉलेज अस्पताल में कुल पद 104 में से 35 पद रिक्त हैं जिस कारण कॉलेज बंद होने की स्थिति में है तथा पठन-पाठन भी बाधित हो रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक उक्त आयुर्वेद कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति करने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

समय-सीमा का निर्धारण हेतु

21. श्री ललित कुमार यादव (क्षेत्र संख्या-82 दरभंगा ग्रामीण)--क्या मंत्री, योजना एवं विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य की प्रत्येक योजना के कार्यान्वयन की समय-सीमा निर्धारित होती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि मुख्यमंत्री क्षेत्रीय विकास योजना के अन्तर्गत माननीय सदस्यों द्वारा अनुशंसित योजनाओं के कार्यान्वयन की कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं रहने के कारण अनावश्यक रूप से विलम्ब होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अन्य योजनाओं की भाँति मुख्यमंत्री क्षेत्रीय विकास योजना के अन्तर्गत भी समय-सीमा का निर्धारण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

मुआवजा राशि का भुगतान

22. श्री भाई वीरेन्द्र (क्षेत्र संख्या-187 मनेर)--क्या मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में कोविड 19 से मृत व्यक्तियों के आश्रितों को चार-चार लाख मुआवजा राशि देने का प्रावधान सरकार द्वारा किया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि स्व0 कौशल किशोर सिंह, पिता-श्री अवधेश सिंह की मृत्यु एस0के0एम0सी0एच0, मुजफ्फरपुर में दिनांक 11 मई, 2021 को स्व0 श्रीराम सिंह, पिता-स्व0 किशोरी भगत की मृत्यु नवजीवन अस्पताल, सीतामढ़ी में दिनांक 29 मई, 2021 को, स्व0 रंजीत कुमार, पिता-स्व0 देव नारायण भगत की मृत्यु मेदांता अस्पताल, मुजफ्फरपुर में दिनांक 12 मई, 2021 को हो जाने सहित राज्य के सरकारी अस्पतालों एवं सरकार द्वारा अधिकृत निजी अस्पतालों में कोविड 19 के इलाज के दौरान हजारों व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि मुआवजा राशि आर0टी0पी0सी0आर0 जाँच अनुमान्यता के आधार पर ही स्वीकार किया जा रहा है, जबकि महामारी की विनाशलीला के मद्देनजर सिटी स्कैन एवं एक्स-रे के आधार पर त्वरित इलाज प्रारंभ कर दिया जाता था ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सी0 टी0 स्कैन एवं एक्स-रे जाँच की भी मान्यता प्रदान करते हुये कोविड में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को चार-चार लाख मुआवजा राशि प्रदान करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नियुक्ति करना

23. श्री अजीत शर्मा (क्षेत्र संख्या-156 भागलपुर)--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बिहार में अवस्थित आठ सरकारी और छः गैर-सरकारी मेडिकल कॉलेजों में टी0बी0 एवं चेस्ट जैसे महत्वपूर्ण विभागों में फैकल्टी टीचर के अभाव में पी0जी0 डिग्री की पढ़ाई नहीं हो पा रही है जबकि एन0एम0सी0 (नेशनल मेडिकल कॉउंसिल) द्वारा विगत दो वर्षों से लगातार निरीक्षण कर सरकार को निर्देश दिया जा रहा है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक राज्य के सरकारी एवं गैर-सरकारी पी0जी0 मेडिकल कॉलेजों में टी0बी0 एवं चेस्ट विभाग में फैकल्टी टीचर की नियुक्ति कर पी0जी0 की पढ़ाई प्रारंभ करने हेतु आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने का विचार रखती है ?

मेटरनल हेल्थ में सुधार करना

24. श्री मुकेश कुमार यादव (क्षेत्र संख्या-27 बाजपट्टी)--स्थानीय हिन्दी समाचार-पत्र में दिनांक 25 नवम्बर, 2021 को प्रकाशित शीर्षक "गरीबी, न्यूट्रिशन, मेटरनल हेल्थ, स्कूल अटेंडेंस, इलेक्ट्रिसिटी, कुकिंग और फ्यूल के मामले में बिहार देश में सबसे नीचे" को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि नीति आयोग के रिपोर्ट के मुताबिक बिहार के 51.88 प्रतिशत जनसंख्या न्यूट्रिशन तथा 45.62 प्रतिशत मेटरनल हेल्थ से वंचित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि राज्य की 12 सूचकांकों में राष्ट्रीय पैमाने पर बिहार का 7वाँ स्थान है, जो बेहद खराब स्थिति को दर्शाता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य की आधी आबादी को न्यूट्रिशन, मेटरनल हेल्थ में सुधार का कबतक विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

ऊर्जा स्रोत को बढ़ाना

25. श्री अजय कुमार सिंह (क्षेत्र संख्या-166 जमालपुर)--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कार्बन उत्सर्जन रोकने के लिये पूरे प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिये जाने के लिये राज्य सरकार कृत संकल्पित है परंतु नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत को देश के मानक के अनुसार बढ़ाये जाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अबतक कोई ठोस कार्य योजना तैयार नहीं की गयी है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक एक ठोस कार्य योजना तैयार कर मानव जाति के हित में पूरे प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत को बढ़ाये जाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विद्युतीकरण करवाना

26. श्री संजय सरावगी (क्षेत्र संख्या-83 दरभंगा)--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र के दिनांक 19 नवम्बर, 2021 के अंक में प्रकाशित शीर्षक "दो साल का काम चार साल में भी अधूरा छोड़ निकली कम्पनी" समाचार को ध्यान में रखते हुये क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि आई0 पी0 डी0 एस0 योजना के तहत दरभंगा शहर को निर्बाध और सुरक्षित विद्युत् आपूर्ति के लिये ईस्ट इंडिया कम्पनी को 2017 ई0 में 7 उप-केन्द्रों के 28 फीडरों की क्षमता विस्तार, 259 ट्रांसफॉर्मर, 288 कि0 मी0 केबुल, 677 सीमेंट एवं रेल पोल तथा दो नये उप-केन्द्रों के निर्माण के लिये कार्य सौंपा गया था और इसे दो वर्ष में कार्य पूरा कर लेना था ;

(2) क्या यह बात सही है कि खंड (1) में वर्णित कम्पनी द्वारा चार वर्ष बीत जाने के बावजूद 60 प्रतिशत ही कार्य किया जा सका है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो दरभंगा शहर में अबतक विद्युतीकरण के उक्त सारे कार्य को पूरा नहीं करने का क्या औचित्य है ?

औचित्य बतलाना

27. श्री समीर कुमार महासेठ (क्षेत्र संख्या-36 मधुबनी)--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर के 428 स्वीकृत पद के विरुद्ध मात्र 91 पद पर ही प्रोफेसर कार्यरत हैं तथा एसोसिएट प्रोफेसर के स्वीकृत 1039 पदों के विरुद्ध सिर्फ 297 एसोसिएट प्रोफेसर ही कार्यरत हैं जिससे मेडिकल की पढ़ाई बाधित हो रही है, यदि हाँ, तो इतनी बड़ी संख्या में मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर एवं एसोसिएट प्रोफेसरों के पदों के रिक्त रहने का औचित्य क्या है ?

अनुदान देना

28. श्री चन्द्रशेखर (क्षेत्र संख्या-73 मधेपुरा)--क्या मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य के बाहर आपदाओं में मरने वाले राज्यवासियों के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान की राशि देय नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार ऐसे मृतकों के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान की राशि देने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पढ़ाई सुनिश्चित कराना

29. श्री ललित कुमार यादव (क्षेत्र संख्या-82 दरभंगा ग्रामीण)--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज (आई0जी0आई0एम0एस0 छोड़कर) में एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर के पद पर समय सहायक प्राध्यापक को प्रोन्नति नहीं होने के कारण एवं मेडिकल कॉलेज में तय मानक के अनुसार एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रोफेसर नहीं होने के कारण एम0सी0आई0 द्वारा पी0जी0 एवं डी0एम0 की पढ़ाई की मान्यता नहीं दी जा रही है ;

(2) क्या यह बात सही है कि सरकार द्वारा घोषित राज्य के एकमात्र विश्वस्तरीय चिकित्सा महाविद्यालय पी0एम0सी0एच0, पटना एवं डी0एम0सी0एच0, दरभंगा में आजतक डी0एम0 की पढ़ाई फेकेल्टी की कमी के कारण नहीं हो रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य के सभी योग्य सहायक प्राध्यापक को एसोसिएट प्राध्यापक एवं योग्य एसोसिएट प्राध्यापक को प्राध्यापक में प्रोन्नति देकर सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय में स्नातकोत्तर की पढ़ाई सुनिश्चित कराते हुये राज्य के पी0एम0सी0एच0 एवं डी0एम0सी0एच0 में डी0एम0 की पढ़ाई सुनिश्चित कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

मीटर टेस्टिंग की सुविधा हेतु

30. श्री सुधाकर सिंह (क्षेत्र संख्या-203 रामगढ़)--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भारत सरकार के विद्युत् नीति, 2005 के द्वारा बिहार राज्य विद्युत् विनियामक आयोग को थर्ड पार्टी मीटर टेस्टिंग लैब का प्रबंध जिला स्तर पर करना था ;

(2) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य विद्युत् विनियामक आयोग के द्वारा थर्ड पार्टी मीटर टेस्टिंग की व्यवस्था जिला स्तर पर अभीतक नहीं की गई है ;

(3) क्या यह बात सही है कि थर्ड पार्टी टेस्टिंग की व्यवस्था नहीं होने से मीटर कम्पनी का मनमाना ढंग से कार्य करना और तेज मीटर रीडिंग की शिकायतें लगातार आ रही है, जिससे उपभोक्ता हमेशा परेशान रहते हैं ;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार थर्ड पार्टी मीटर टेस्टिंग की सुविधा जिला स्तर पर उपलब्ध कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बेड की संख्या बढ़ाना

31. डॉ0 रामानुज प्रसाद (क्षेत्र संख्या-122 सोनपुर)--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 2 अक्टूबर, 2021 को प्रकाशित शीर्षक "बिहार में 1 लाख आबादी पर सबसे कम 6 बेड, मंत्री बोले नहीं मानते रिपोर्ट" के आलोक में क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि नीति आयोग की अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि बिहार के सरकारी जिला अस्पतालों में प्रति एक लाख की आबादी पर औसतन छः बेड है जो देशभर में सबसे निचले पायदान पर है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त मामले में अग्रणी स्थान पाने के लिये कौन-सा कदम उठाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 3 दिसम्बर, 2021 (ई0) ।

शैलेन्द्र सिंह,
सचिव,
बिहार विधान सभा, पटना।

बि0स0मु0, 47(एल0ए0), 2021-22-डी0टी0पी0-550